कार्यालय वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त उत्तराखण्ड, हल्द्वानी

दूरभाषः 05946–235136 फैक्सः–235136 E-Mail cf_fresearch@rediffmail.com

पत्रांक 156 /6-3(RAC) ,दिनांक, हल्द्वानी, अगस्त, 8, 2022

सेवा में,

समस्त सम्मानित सदस्य,उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान सलाहकार समिति (निम्नानुसार) –

1. प्रमुख वन संरक्षक,वन्य जीव,उत्तराखण्ड,देहरादून ।
2. प्रमुख वन संरक्षक, वन पंचायत,उत्तराखण्ड,हल्द्वानी ।
3. प्रबन्ध निदेशक,उत्तराखण्ड वन विकास निगम,देहरादून ।
4. मुख्य कार्यकारी अधिकारी,कैम्पा परियोजना,उत्तराखण्ड,देहरादून ।
5. मुख्य वन संरक्षक, कुमाऊँ,उत्तराखण्ड,नैनीताल।
6. मुख्य वन संरक्षक, गढवाल,उत्तराखण्ड,पौड़ी ।
7. मुख्य वन संरक्षक, कार्ययोजना,हल्द्वानी।
8. निदेशक,वन अनुसंधान संस्थान,एफ0आर0आई0,देहरादून ।
9. निदेशक, विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान,कोसी,अल्मोडा ।
10. निदेशक,जडी–बूटी शोध एवं विकास संस्थान,गोपेश्वर,चमोली ।
11. निदेशक,यूकास्ट,उत्तराखण्ड,देहरादून।
12. निदेशक,पं0गोविन्द बल्लभ पंत इन्स्टीट्यूट ऑफ हिमालयन इन्वायरमेन्ट एण्ड डेवलपमेन्ट कोसी,अल्मोड़ा ।
13. कुलपति, पं0 गोविन्द बल्लभ पंत कृषि विश्वविद्यालय,पंतनगर।
14. निदेशक,भारतीय वन्य जीव संस्थान,देहरादून।
15. श्री जोगेन्द्र बिष्ट (वृक्ष मित्र पुरूस्कार से सम्मानित) अध्यक्ष,लोक चेतना मंच रानीखेत ।
16. श्री महेन्द्र सिंह,अध्यक्ष,हिमालयन एक्शन रिसर्च सेन्टर,देहरादून ।
17. डॉ0 अजय रावत,पर्यावरणविद्,नैनीताल ।

विषय– दिनांक 18.07.2022 को आयोजित अनुसंधान सलाहकार समिति (आर0ए0सी0) की बैठक का कार्यवृत्त।

महोदय,

उपरोक्त विषयक कम में दिनांक 18.07.2022 को आयोजित अनुसंधान सलाहकार समिति (आर0ए0सी0) की बैठक का अनुमोदित कार्यवृत्त आपको सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु संलग्न कर प्रेषित किया जा रहा है।

संलग्नकः– उपरोक्तानुसार ।

भवदीय,

(संजीव चतुर्वेदी)
मुख्य वन संरक्षक,/वन संरक्षक,
अनुसंधान वृत्त,उत्तराखण्ड,हल्द्वानी

पत्रांक 156 / उक्तदिनांकित ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को संलग्नकों सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. प्रमुख वन संरक्षक, (HoFF),उत्तराखण्ड,देहरादून ।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक,अनुसंधान, प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण,उत्तराखण्ड,हल्द्वानी ।
3. वन वर्धनिक,साल क्षेत्र,उत्तराखण्ड,हल्द्वानी ।
4. वन वर्धनिक,उत्तराखण्ड,नैनीताल ।

(संजीव चतुर्वेदी)
मुख्य वन संरक्षक,/वन संरक्षक,
अनुसंधान वृत्त,उत्तराखण्ड,हल्द्वानी

12 वीं अनुसंधान सलाहकार समिति की दिनांक 18–07–2022 को सम्पन्न बैठक का कार्यवृत्त

प्रमुख वन संरक्षक, (HoFF), उत्तराखण्ड, देहरादून की अध्यक्षता में दिनांक 18–07–2022 को उत्तराखंड वानिकी अनुसन्धान सलाहकार समिति की बैठक मंथन सभागार, अरण्य भवन, देहरादून में आहूत की गयी। बैठक में निम्न सदस्य उपस्थित थे –

1. श्री विनोद कुमार, प्रमुख वन संरक्षक, (HoFF) उत्तराखण्ड।
2. श्रीमती ज्योत्सना सितलिंग, प्रमुख वन संरक्षक, वन पंचायत (वीडियो कॉन्फ्रेन्स के द्वारा)।
3. श्री धनंजय मोहन, प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड वन विकास निगम, देहरादून।
4. श्री समीर सिन्हा, प्रभारी प्रमुख वन संरक्षक, वन्यजीव एवं मुख्य वन्यजीव परिपालक, उत्तराखण्ड।
5. श्री जी0एस0 पाण्डे, अपर प्रमुख वन संरक्षक, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, कैम्पा परियोजना, देहरादून।
6. श्री कपिल जोशी, अपर प्रमुख वन संरक्षक वन अनुसंधान प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण, हल्द्वानी।
7. डा0 रिचा मिश्रा, प्रसार प्रभाग प्रमुख, एफ0आर0आई0 देहरादून।
8. श्री संजीव चतुर्वेदी, मुख्य वन संरक्षक अनुसन्धान वृत्त, हल्द्वानी।
9. श्री पी0के0 पात्रो, मुख्य वन संरक्षक, कुमांऊं, उत्तराखण्ड, नैनीताल।
10. श्री सुशांत कुमार पटनायक, मुख्य वन संरक्षक, गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
11. श्री कुन्दन कुमार, उप वन संरक्षक, अनुसंधान, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी।
12. डा0 डी0पी0 उनियाल, निदेशक, यूकोस्ट, देहरादून।
13. डा0 वी0पी0 भट्ट, वैज्ञानिक, जड़ीबूटी शोध एवं विकास संस्थान, गोपेश्वर, चमोली।
14. डॉ0 बी०एस० अधिकारी, वैज्ञानिक (ग्रेड–जी), वन्यजीव संस्थान, देहरादून।
15. डा0 लक्ष्मीकांत, निदेशक, विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, कोसी, अल्मोड़ा।
16. प्रो0 सुनिल नौटियाल, निदेशक पं0 गोविन्द बल्लभ पन्त इन्स्टीट्यूट ऑफ हिमालयन इन्वायरमेन्ट एण्ड डेवलपमेन्ट, कोसी, अल्मोड़ा।
17. डॉ अजय सिंह रावत, वरिष्ठ पर्यावरण इतिहासकार, नैनीताल (वीडियो कॉन्फ्रेन्स के द्वारा)
18. श्री जोगेंद्र सिंह बिष्ट, लोक चेतना मंच रानीखेत (वीडियो कॉन्फ्रेन्स के द्वारा)

बैठक में श्री संजीव चतुर्वेदी, मुख्य वन संरक्षक, अनुसंधान ने सदस्यों को वित्तीय वर्ष 2021–22 में अनुसंधान वृत्त द्वारा किये गए निम्न कार्यों से अवगत कराया –

i. अनुसंधान वृत्त द्वारा विभिन्न राजियों में कुल 1943 वनस्पति प्रजातियों को संरक्षित कर वार्षिक रिपोर्ट दिनांक 04–06–2022 को जारी की गयी है, जिसमें 464 वृक्ष प्रजातियां, 146 झाड़ी प्रजातियां, 166 शाकीय प्रजातियां, 46 बांस प्रजातियां, 109 आर्किड प्रजातियां, 168 फर्न प्रजातियां, 106 घास प्रजातियां, 83 पाम प्रजातियां, 255 कैक्टस एवं सक्यूलेन्ट प्रजातियां, 49 जलीय प्रजातियां, 85 लाइकेन प्रजातियां, 42 ब्रायोफाइट प्रजातियां, 86 लता प्रजातियां, तथा 14 साइकेड प्रजातियां सम्मिलित हैं। इनमें से 87 प्रजातियां संकटापन्न वनस्पतियों की हैं, तथा 62 प्रजातियां उत्तराखण्ड/भारतीय हिमालयी क्षेत्र की स्थानिक प्रजातियां हैं।

ii. अनुसंधान वृत्त के कनिष्ठ अनुसंधान सहायकों एवं फील्ड स्टाफ द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठित वैज्ञानिक प्रकाशनों में प्रकाशित शोध पत्रों की उपलब्धि से सदस्यों को अवगत कराया गया।

iii. गाजा (ज्योलिकोट) राजि के अंतर्गत खुरपाताल में 10 है0 क्षेत्र में स्थापित मॉस गार्डन में वर्तमान में मॉस एवं अन्य ब्रायोफाईट्स की 50 से अधिक प्रजातियां संरक्षित की गयी हैं।

iv. देहरादून राजि के अन्तर्गत देववन में क्रिप्टोगैमिक गार्डन की स्थापना की गयी, जिसमें विभिन्न क्रिप्टोगैम प्रजातियों जैसे शैवाल, शैक, ब्रायोफाईट्स, टैरिडोफाईट्स एवं कवक की 70 से अधिक प्रजातियां संरक्षित की गयी हैं।

v. पिथौरागढ़ राजि के अन्तर्गत मुन्स्यारी में लाईकेन (शैक) गार्डन की स्थापना की गयी है, जिसमें शैक की 85 प्रजातियां संरक्षित की गयी हैं।

vi. गोपेश्वर राजि अन्तर्गत मण्डल घाटी में आर्किड संरक्षण क्षेत्र की स्थापना की गयी है, जिसमें स्थानीय 38 आर्किड प्रजातियों का इन–सिटू संरक्षण किया गया है व इस क्षेत्र में कुल 70 आर्किड प्रजातियां संरक्षित हैं।

vii. कालिका राजि में फर्नरी स्थापित की गयी है, जिसमें 145 फर्न प्रजातियां संरक्षित हैं एवं यह उत्तर भारत की सबसे बड़ी फर्नरी है।

viii. हल्द्वानी में विभिन्न प्रकार के Ethenobotanical स्थापित किये गये हैं, जिसमें रामायण वाटिका, भारत वाटिका, बुद्ध वाटिका, सर्वधर्म वाटिका आदि भामिल हैं, जिनमें देश के प्राचीन साहित्य एवं ग्रन्थों में उपलब्ध वनस्पतियों के बारे में जानकारी प्रदर्शित की गयी है।

ix. रानीखेत में लगभग 05 है0 क्षेत्र में Forest Healing Centre की स्थापना की गयी है जिसमें वनों द्वारा प्राकृतिक उपचार की पद्धति को प्रदर्शित किया गया है।

x. हल्द्वानी, पीपलपड़ाव, टांडा, द्वारसौं, गोपेश्वर एवं कालसी में मियावाकी वन स्थापित किये गए हैं जिनमें अतिजीविता 90–100 प्रतिशत है, तथा बढ़त भी पारंपरिक पौधारोपण से कई गुना अधिक है।

xi. गोपेश्वर एवं पिथौरागढ राजियों में ANR पद्धति द्वारा *Abies pindrow* एवं *Abies spectabilis* प्रजातियों के क्षेत्र में प्राप्त सकारत्मक परिणामों के बारे में सूचित किया गया।

xii. उधमसिंहनगर जिले में Finn's Weaver Bird पक्षियों की मोनिटरिंग का कार्य किया जा रहा है। इस प्रजाति को लगभग 50 वर्ष बाद देखा गया है। वर्तमान में इस प्रजाति की संख्या तथा वासस्थल अत्यनत सीमित हैं, और यह अति संकटाग्रस्त प्रजाति हेतु प्रस्तावित है।

xiii. किंग कोबरा प्रोजेक्ट के अंतर्गत नैनीताल वन प्रभाग में किंग कोबरा के विभिन्न वास स्थलों तथा घोसलों की मैपिंग एवं डाटा एकत्रीकरण का कार्य किया गया है। उत्तराखण्ड में पहली बार इस प्रजाति की मेटिंग रिकॉर्ड की गयी।

xiv. Flying squirrel प्रजाति के किये जा रहे अध्ययन में उत्तराखण्ड में 5 अलग–अलग उड़न गिलहरियों की प्रजातियां रिकॉर्ड की गयी हैं, जिसमें Small Kashmir Flying Squirrel उत्तराखण्ड में 25 साल बाद रिकॉर्ड की गयी।

xv. गोपेश्वर राजि अन्तर्गत माणा में उच्च स्थलीय हर्बल गार्डन की स्थापना की गयी है, जिसमें 46 स्थानीय औषधीय एवं दुर्लभ प्रजातियां संरक्षित की गयी हैं।

xvi. हल्द्वानी राजि अन्तर्गत लालकुआं में फाइकस गार्डन की स्थापना की गयी है, जिसमें फैगेसी कुल की 104 प्रजातियां प्रदर्शित की गयी हैं। यह अपने प्रकार का देशभर में सबसे बड़ा फाइकस गार्डन है।

xvii. हल्द्वानी राजि अन्तर्गत लालकुआं में सगन्ध वाटिका स्थापित की गयी है, जिसमें 138 सगन्ध प्रजातियां प्रदर्शित की गयी है।

xviii. कालिका राजि में ग्रास कन्सर्वेटरी स्थापित की गयी है, जिसमें घास प्रजातियों की 100 से अधिक प्रजातियां प्रदर्शित की गयी हैं।

xix. हल्द्वानी में 04 एकड़ क्षेत्र में परागण के महत्व के बारे में जागरूकता लाने हेतु Pollinator Park की स्थापना की गयी, जिसमें 50 से अधिक तितली, पक्षी तथा अन्य परागणकारी प्रजातियों की पहचान की गयी हैं।

xx. हल्द्वानी में स्थापित भारत वाटिका जिसमें देश के समस्त प्रान्तो के राज्य वृक्ष रोपित किये गये हैं तथा पाम गार्डन जिसमें लगभग 90 पाम प्रजातियां रोपित की गयी हैं तथा जो उत्तर भारत का इस प्रकार का सबसे बड़ा केन्द्र है, इस बारे में भी जानकारी दी गयी।

xxi. इसके अतिरिक्त गतवर्षों में अनुमोदित तथा वर्तमान में गतिमान विभिन्न अनुसंधान कार्यों के बारे में विस्तृत प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी।

2. वर्ष 2021–22 में वानिकी सलाहकार समिति द्वारा अनुमोदित प्रयोगों की प्रगति रिपोर्ट –

S. No.	Name of Project	Progress Report
1	Development and Demonstration of Food Forest (Hill Region)	• Site closure and development . • Soil work done • Plantation started with local legume, herb, shrub, climber and tree species
2	Development and Demonstration of Food Forest (Sal Region)	• Site closure and development . • Soil work done • 40 species planted.
3	Study of diversity of Orchids in Jim Corbett National Park	26 species of orchid have been recorded among which 2 species are included in threatened species list of Uttarakhand Biodiversity Board and 1 rare species has been recorded after a gap of 40 years.

4	Impact of Forest Fire on Yellow-headed Tortoise (***Indotestudo elongata***)	Due to problem in sanction of funds for purchase of equipments, because of elections and other unforeseen developments, this project could not be initiated in financial year 2021-22. It will be initiated this year.
5	Reforestation of Remote inaccessible area using Drones.	Due to problem in sanction of funds for purchase of equipments, because of elections and other unforeseen developments, this project could not be initiated in financial year 2021-22. It will be initiated this year.

3. उप वन संरक्षक, अनुसंधान, हल्द्वानी द्वारा समिति के समक्ष वित्तीय वर्ष 2022–23 हेतु निम्नलिखित अनुसन्धान प्रस्ताव प्रस्तुत किये गये –

S. No.	**Proposed Research Project**	**Research Range**	**Decision of RAC**
1	Study of Breeding & Nesting Behavior and Habitat of Finn's Weaver Bird in Grasslands of Terai region of Uttarakhand	Haldwani	Approved by RAC
2	Establishment of Shrub Demonstration Area in Lalkuan	Haldwani	Approved by RAC
3	Establishment of Himalayan Herbal Garden in Uttarkashi	Uttarkashi	Approved by RAC
4	Study of habitat, Distribution, Threat and Conservation strategies for Weasel species in Uttarakhand	Gopeshwar	Approved by RAC
5	Assessment of Impact of Invasive Plants in Valley of Flowers National Park, Uttarakhand	Gopeshwar	To be presented again after discussions with Dr. GS Rawat, Retired Dean, Ecology Department, WII and other experts.
6	Study on the Impact of Soil and Water Conservation Works on Hydrological Flows	Gaja	Approved by RAC, with condition that, expert institutes will also be involved.
7	Eco-restoration of Degraded Site	Dehradun	To be presented again after discussions with FRI on their already done projects

			on the same subjects.
8	Conservation of northern Swamp deer *(Rucervus duvaucelii duvaucelii)* using Radio-telemetry In and Around Jhilmil Jheel Conservation Reserve, Uttarakhand, India	Dehradun	RAC approved the suggestion of CWLW the proposal should be presented again after confirming with WII weather similar project is currently being run by their institute or not.

4. उप वन संरक्षक, अनुसंधान, हल्द्वानी द्वारा समिति के समक्ष विभिन्न अनुसंधान राजियों के अंतर्गत चल रहे प्रयोग अवधि विस्तारीकरण हेतु निम्नलिखित प्रकार से प्रस्ताव प्रस्तुत किये गए :–

S.N.	Name of Project	Reason for extension	Decision of RAC
1	Biodiversity conservation and management of Tungla (*Rhus parviflora*)	Medicinally important plant. Flowering not yet observed. Requires extension for successful establishment.	Approved up to Financial year 2023-24
2	Biodiversity Study of Effect of climate change on flowering of Burans (*Rhododendron arboreum)* in Middle Himalayan region)	Climate change induced phenological changes require longer period of observation and data collection.	Approved up to Financial year 2027-28
3	Spacing Trial of *Melia Composita.*	Project requires extension to cover entire Rotation period (8-10 years).	Approved up to Financial year 2023-24
4	Maintenance of Varangu (*Carallia integerrima*)	Restricted distribution in North India- requires more time for establishment for sustainable seed production.	Approved up to Financial year 2023-24

5. समिति के सदस्यों तथा अध्यक्ष महोदय द्वारा विषम परिस्थितियों में भी अनुसंधान वृत्त के कार्मिकों, फील्ड स्टाफ एवं कनिष्ठ अनुसंधान सहायकों द्वारा अनुसंधान कार्यों से सम्बन्धित किये जा रहे प्रयासों की सराहना की गयी व आश्वस्त किया गया कि अनुसंधान वृत्त के कार्यों में किसी प्रकार की बजट/सरकारी धनराशि की कोई समस्या नहीं होने दी जायेगी। अध्यक्ष महोदय द्वारा निम्नलिखित निर्देश/सुझाव दिये गये–

i. गतवर्षों में स्थापित विभिन्न संरक्षण स्थलों को चिरस्थायी /सतत् बनाये रखने हेतु दीर्घ कालिक रणनीति तैयार की जाए।

ii. अनुसंधान वृत्त द्वारा किये गये कार्यों एवं तैयार की गयी तकनीकों को सभी क्षेत्रीय वन प्रभागों तथा फील्ड तक पहुंचाने हेतु प्रभागों से समन्वय स्थापित किया जाने का प्रयास किया जाये।

6. बैठक में अनुसन्धान सलाहकार समिति के अन्य सम्मानित सदस्यों द्वारा सुझाव दिए गए –

i. श्रीमती ज्योत्सना सितलिंग, प्रमुख वन संरक्षक, वन पंचायत, ने अनुसन्धान वृत्त द्वारा किये कार्यों की सराहना करते हुए वृत्त द्वारा संरक्षण कार्यों में स्थानीय लोगों व सभी हितधारकों की अनुसंधान वृत्त की सहायता से उनकी कौशल वृद्धि कर उन्हें संरक्षण के केन्द्र बिन्दु में लाये जाने का सुझाव दिया। उनके द्वारा उत्तरकाशी जिले के लाईकेन समृद्ध क्षेत्रों में, अनुसंधान वृत्त की सहायता से लाईकेन पार्क स्थापित करने व इस पर आधारित पर्यटन को बढ़ावा देकर स्थानीय लोगों की आजीविका/आय वृद्धि करने के विषय में सुझाव दिया।

ii. श्री धनन्जय मोहन, प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड वन विकास निगम, देहरादून, के द्वारा अनुसंधान वृत्त द्वारा स्थापित विभिन्न केन्द्रों को sustainable बनाने के सम्बन्ध सुझाव दिया गया। साथ ही अनुसंधान वृत्त तथा अन्य समर्पित वैज्ञानिक संस्थानों के कार्यों की अलग प्रवृत्ति/आवश्यकताओं के सम्बन्ध में भी विचार व्यक्त किये गये। उनके द्वारा रिषिकेश के आस–पास के क्षेत्रों में वीड प्रजाति *Urtica urens* के अध्ययन एवं इसके अन्मूलन के विषय में भी अनुसंधान शाखा को ध्यान देने के लिये कहा गया।

iii. श्री समीर सिन्हा, प्रभारी प्रमुख वन संरक्षक, वन्यजीव एवं मुख्य वन्यजीव परिपालक, उत्तराखण्ड, द्वारा सुझाव दिया गया कि यारसा गम्बु/कीड़ाजड़ी के दोहन हेतु अनुसंधान वृत्त द्वारा एक प्रोटोकॉल बनाने के लिये प्रस्ताव तैयार करने का सुझाव दिया। साथ ही टकिल पाम प्रजाति के संरक्षण एवं इस विषय में अंतराष्ट्रीय शोध के विषय में सुझाव दिये गये।

iv. श्री जी0एस0 पाण्डे, अपर प्रमुख वन संरक्षक, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, कैम्पा परियोजना, देहरादून, द्वारा अष्टवर्ग प्रजातियों के प्रदर्शन क्षेत्र स्थापित करने के प्रोजेक्ट के महत्व को रेखांकित करते हुये भविष्य में इससे स्थानीय लोगों को जोड़ने व उनकी आजीविका वृद्धि हेतु सुझाव दिया।

v. श्री कपिल जोशी, अपर प्रमुख वन संरक्षक वन अनुसंधान प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण, हल्द्वानी ने सुझाव दिया कि अनुसंधान वृत्त द्वारा स्थापित 24 केन्द्रों को सतत् बनाये रखने हेतु किसी बाह्य प्रतिष्ठित कन्सल्टेन्सी द्वारा एक दीर्घकालीन प्रस्ताव तैयार किया जाये। साथ ही यह भी सुझाव दिया कि विभाग के आई0एफ0एस0, एस0एफ0एस0, आर0ओ0, प्रशिक्षुओं (T.O.), फील्ड स्टाफ एवं जहां तक सम्भव हो वरिष्ठ अधिकारियों का भी अनिवार्य रूप से अनुसंधान वृत्त द्वारा विकसित केन्द्रों एवं क्षेत्रों का अध्ययन हेतु भ्रमण किया जाना चाहिये। उक्त दोनों सुझाव सभा के सभी सदस्यों द्वारा एकमत से स्वीकार किया गया।

vi. डा0 रिचा मिश्रा, प्रसार प्रभाग प्रमुख, एफ0आर0आई0 देहरादून ने अनुसंधान वृत्त को फोरेस्ट जेनेटिक रिसोर्सेस, हिल एग्रो फोरेस्ट्री एवं अन्य सम्बन्धित विशयों पर एफ0आर0आई0 से सहयोग प्राप्त करने एवं और समन्वय के साथ कार्य करने हेतु सुझाव दिया।

vii. डा0 वी0पी0 भट्ट, वैज्ञानिक, जड़ीबूटी शोध एवं विकास संस्थान, गोपेश्वर, चमोली द्वारा सुझाव दिया गया कि वन विभाग विशेषतः अनुसंधान वृत्त की मौजूदा आधारभूत संरचनाओं का उपयोग करते हुये एच0डी0आर0आई0 के सहयोग से विभिन्न औषधीय प्रजातियों के उच्च गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री उत्पादन किया जा सकता है, जिससे स्थानीय लोगों को अत्यन्त लाभ होगा।

viii. डॉ अजय सिंह रावत, वरिष्ठ पर्यावरण इतिहासकार, नैनीताल द्वारा सुझाव दिया गया कि वाल्मीकि रामायण के अतिरिक्त सिन्धु घाटी सभ्यता से लेकर अन्य पौराणिक एवं ऐतिहासिक ग्रन्थों उदाहरणतः ऋगवेद, कौटिल्य अर्थशास्त्र, तुलसीकृत रामचरितमानस, आदि में दी गयी वनस्पतियों एवं वानिकी के बारे में सूचना प्रदर्शित की जाये। साथ ही बागेश्वर जिले में कुछ स्थानों पर हो रहे अवैध व अवैज्ञानिक तरीकों से हो रहे खनन का विभाग का संज्ञान लिया जाये, जिनसे स्थानीय पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी को अत्यन्त नुकसान पहुंचा है एवं इनके उपचार हेतु भी स्थायी रणनीति तैयार की जाये।

ix. डॉ जोगेंद्र सिंह बिष्ट, लोक चेतना मंच रानीखेत ने वानिकी अनुसंधान शाखा द्वारा किये जा रहे अभिनव प्रयासों की सराहना करते हुये सुझाव दिया कि इनकी मितव्ययता एवं निपुणता का अन्य प्रभागों व विभागों द्वारा अपने प्रभागों/क्षेत्रों में अनुकरण करने हेतु एक स्थायी मॉडल तैयार किया जाये।

7. अन्त में प्रमुख वन संरक्षक, (HoFF) द्वारा अनुसंधान वृत्त की वार्षिक अनुसंधान प्रतिवेदन 2021–22 का विमोचन किया गया। मुख्य वन संरक्षक, अनुसंधान, द्वारा अध्यक्ष महोदय एवं सभी सदस्यों/ प्रतिनिधियों /विशेष आमंत्रियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया एवं मा० अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक समाप्त की गयी।

अनुमोदित

Sanjiv Chaturvedi
3/8/2022

श्री विनोद कुमार
प्रमुख वन संरक्षक, (HoFF) उत्तराखण्ड।
अध्यक्ष, उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान
सलाहकार समिति

संजीव चतुर्वेदी
मुख्य वन संरक्षक,
अनुसंधान वृत्त, हल्द्वानी
सचिव, उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान
सलाहकार समिति